सही बातें उजाला

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक

समर्पण समूह

जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज
सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें
उजाला

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222

जबलपुर : 98276-07171

इन्दौर : 98260-10104

इन्दौर : 94253-16840

भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण

डीसेन्ट ग्राफिक्स इंदौर

मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने ''सही बातें''** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात–सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाङ्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें उजाला

मित्रो !
समय का सदुपयोग करें,
क्योंकि
समय निकलने के पश्चात्
सिर्फ और सिर्फ
पछतावा ही बचता है,
हो सके तो
अपने बीते कल से शिक्षा लें,
आने वाले कल का विचार करें
और
आज भरपूर मेहनत करें...

सही बात है...

जो समय का मोल समझते हैं
समय उन्हें अनमोल बना देता है,
जो समय को बर्बाद करते हैं
समय उन्हें बर्बाद कर देता है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

मैंने अनुभव किया है
कुछ लोगों को दूर करने पर भी
हमारे जीवन में
तकलीफें बढ़ जाती हैं,
जरा सोचिये
जब दूरियों में
तकलीफ बढ़ रही है
फिर नजदीकियों में क्या होगा...

सही बात है...

जिन कारणों से
सुख की बिदाई हो
उन कारणों की
जीवन से बिदाई होना चाहिये...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उजाला

कुछ लोग
उसकी ऊँचाईयाँ
उसकी कामयाबी देखकर जलते हैं,
कुछ लोग
आश्चर्य भी करते हैं,
तो कुछ लोग सोचते हैं,
ये हुआ कैसे?
उसने सिर्फ इतना ही कहा
कई बार बिखरे हैं
तब जाकर निखरे हैं...

सही बात है...

कष्ट सब पर आते हैं,
कुछ बिखर जाते हैं...
कुछ निखर जाते हैं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उजाला

हमें लगता है
हमें किसी ने धोखा दिया है,
मगर सच तो यह है कि
कोई किसी को धोखा नहीं देता
जिसके भाग्य में जितना होता है
उसे उतना ही मिलता है,
धोखा हमें दुनिया नहीं देती
धोखा हमें हमारी किस्मत देती है...

सही बात है...

तेज हवा चलने पर
अगर वृक्ष गिर जाये
तो दोष हवा को न दें
कमजोर जड़ों को ही दोष दें...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

हम कुछ यूँ जीते हैं
अपनी जिन्दगी को
जो टूटता है हमसे
उसे इस हद तक टूटने देते हैं,
कि वो हमसे कभी जुड़े न
और
जो जुड़ता है हमसे
उसे इस हद तक जुड़ने देते हैं,
कि वो हमसे कभी टूटे न...

सही बात है...

जहाँ हानि की संभावना हो
वहाँ दूरियाँ जरूरी हैं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

किसी को समझे बिना,
कभी किसी से
रिश्ता न बनायें,
मेरी समझ से तो
उन्हीं लोगों को रिश्ते बनाने का हक है
जिन्हें रिश्तों में कभी नहीं होता शक है...

सही बात है...

रिश्तों में
एक दूसरे पर हक होना चाहिये
शक नहीं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

जो आपके लिये समर्पित हो
आप भी उसके लिये समर्पित रहो,
अगर
कोई आपके लिये
चार कदम चले
तो आप उसके लिये
चार सौ कदम चलने तैयार रहें...

सही बात है...

अगर कोई आपकी मुसीबत में
काम आता है
तो उसके ऊपर मुसीबत आने पर
आप पीछे न हटें...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

समर्पित होने के साथ–साथ
समर्पण बनाये रखना भी सीखें,
बिना समर्पित हुये
समर्पण का दिखावा करने से
दूरियाँ बढ़ती हैं, प्रीति नहीं...

सही बात है...

समर्पण हट जाये
तो समस्यायें बढ़ जाती हैं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

गलत से जुड़ते हैं अगर हम
तो एक दिन टूटना पड़ता है,
सही से जुड़ते हैं अगर हम
तो रिश्ता अटूट-सा हो जाता है,
टूटना जुड़ना, जुड़कर न टूटना
टूटने पर भी खुद से जुड़े रहना
ये तो जीवन का किस्सा है, हिस्सा है
चलता ही रहता है...

सही बात है...

पहले सोचें फिर जीवन का निर्णय लें,
जीवन सबसे कीमती है
उसे व्यर्थ न जाने दें...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

चाह उतनी ही करें
जो पूरी हो सके,
हद से ज्यादा की चाह
कभी न करें,
चाह बढ़ने से
राहों पर चलना भी
मुश्किल सा हो जाता है...

सही बात है...

इच्छायें मन में उत्पन्न होती हैं
मगर पूरी न हों
तो तन में बीमारी उत्पन्न होती हैं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

जब चोट लगती है
तन में
तब हम बैठ जाते हैं,
जब चोट लगती है
मन में
तब हम चुप बैठ जाते हैं...

सही बात है...

बहुत बोलने वाला इंसान
अगर चुप हो जाये
समझना चोट बहुत गहरी है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

सरल काम तो
कोई भी, कभी भी
कर लेता है,
लेकिन
जब काम कठिन हो
तब मुश्किलें भी बहुत आती हैं...

सही बात है...

कठिन प्रयास है
शायद
बड़ा इतिहास है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

अगर आपने
किसी की भी बुराई
किसी और से की है,
तो आप
पापी और धोखेबाजों को
खोजने न जायें
क्योंकि
सबसे बड़े धोखेबाज और पापी
आप ही हैं...

सही बात है...

जिसकी गलती हो,
उसी को कहना
वरना उसके लिये ...
कठिन होगा सहना

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

भगवान की तरह नाम रखने से
कोई अच्छा नहीं हो जाता,
मैंने ऐसे कई लोग देखे हैं
जिनका नाम भगवान जैसा है
मगर
काम, शैतान से भी गये बीते हैं।
जिनका नाम अच्छा है
वे काम भी अच्छे ही करें
तो अच्छा लगता है...

सही बात है...

गुरूजन-परिजन की न सही
अपने नाम की ही इज्जत रखना सीखें...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

बदलाव को स्वीकारो
बदलाव आने पर,
दु:खी न होकर जिन्दगी को सँवारो
दिन, बदलते हैं–लोग, बदलते हैं
दुनिया है, समय है, सब बदलते हैं...

सही बात है...

मोड़ आने पर
गाड़ी की गति मंद की जाती है
गाड़ी बंद नहीं की जाती है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

इस दुनिया में
पापी सभी हैं
मगर
विरले पुण्यात्मा ही
अपने पाप, गुरु से बोल पाते हैं,
किये पापों को छोड़ पाते हैं,
मेरी नजर में
पाप होना बड़ी बात नहीं,
पाप छोड़ना बड़ी बात हैं...

सही बात है...

जो अपना पाप
अपने गुरु को बताते हैं,
वो ही पुण्यात्मा शिष्य
गुरू की नजरों में जगह पाते हैं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उजाला

जिनकी सोच अच्छी होती है
वे लोग
न तो मूर्ख होते हैं
न ही आँखें बंद करके
जीवन जीते हैं,
ऐसे लोग
अपनी कमजोरियाँ जानते हैं,
अपनी ताकत पर ध्यान देते हैं
और
हमेशा जीत हासिल करते हैं...

सही बात है...

सोच सही हो तो
सारे काम बनते हैं,
सोच सही न हो तो
बनते काम बिगड़ते हैं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

इस जीवन में
अच्छे-बुरे दोनों दिन आते हैं,
दुःखों में कूलना नहीं,
सुखों में फूलना नहीं
दिन कैसे भी हों
पीछे हटना नहीं,
सही सोचना
दिन बदलते देर लगती नहीं...

सही बात है...

दिन अच्छे-बुरे हो सकते हैं,
मगर
व्यवहार हमेशा अच्छा ही रखना...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

जीवन में
एक प्रयास अवश्य करें,
जब कोई अपना दुःखी हो
तो उसे दुःखों का अनुभव न हो
मगर
जब आप स्वयं दुःखी हों
तो किसी को उसका अनुभव न हो...

सही बात है...

दुःख आना बड़ी बात नहीं,
दुःख न दिखना बड़ी बात है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

छोटे काम
छोटी सहायताओं से पूरे हो जाते हैं,
मगर
बड़े काम की पूर्णता के लिये
बड़ी सहायता की आवश्यकता है।
इंतजार करें
जैसा काम हो
सहायता भी वैसी ही लें
अन्यथा
काम अधूरा रह जायेगा...

सही बात है...

हाथों से साइकिल उठाई जाती है
गाड़ी उठाने के लिये जैक लगता है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

दुनिया की इस भीड़ में
अपनों की खोज बहुत कठिन है,
कई बार
साथ में रहने वाले भी साथ नहीं देते...

सही बात है...

साथी और स्वार्थी शब्द
एक से लगते हैं
मगर
दोनों में अंतर है ...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

आपका नहीं पता
मगर मुझे इस जीवन में
सिर्फ गुरु नहीं,
गुरु के रूप में
हमेशा साथ देने वाला फरिस्ता मिला है
ये बात मैं
इसलिये कह रहा हूँ
क्योंकि
एक गुरु ही हैं जो अपने होते हैं।
दिखते सब लोग अपने से हैं,
मगर अपने कोई नहीं होते हैं...

सही बात है...

जो हमेशा सहारा दे, वो ही फरिस्ता है
इसलिये
मेरा, मेरे गुरु से अटूट रिश्ता है
वो ही मेरा फरिस्ता है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

सहारा छीनने वाले
हजारों मिलेंगे,
सहारा देने वाले
सिर्फ गुरु मिलेंगे,
इसलिये
चाहे जो हो जाये
गुरू चरणों की शरण से
हम कभी दूर न हो पाये
ऐसा संकल्प हर दिन दोहराये...

सही बात है...

सहारा देने वाले से दूर हो जाओगे
तो जिन्दगी भर बे-सहारा रह जाओगे...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

हमने किसी को गुरु बनाया है
ये अच्छी बात है
मगर
उन्होंने हमें शिष्य बनाया है
ये बहुत बड़ी बात है।
गुरु से जुड़ना
और गुरु को आपको खुद से जोड़ना
दोनों में अंतर है ...

सही बात है...

अगर आपने गुरु का हाथ पकड़ा है
तो आप छोड़ सकते हो
मगर
गुरु ने आपका हाथ पकड़ा है
तो आप छुड़ा नहीं पाओगे ...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जिन्दगी में हमारी
ऐसे भी दिन आते हैं,
सपने तो आते हैं
मगर
अधूरे रह जाते हैं।
पूरे होने की उम्मीदें जागती हैं,
सहारे भी मिलते हैं
मगर
उम्मीदों पर भी पानी फिर जाता है
बेसहारा थे हम, बेसहारा रह जाते हैं...

सही बात है...

वक्त जिसके साथ है,
सहारा भी उसे ही मिलता है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

ऊँचा उठना हो जिसे भी
उसे खामोशियों से
रिश्ते बना लेना चाहिये
क्योंकि
खामोशियाँ जितना शोर मचाती हैं,
उतना शोर कोई नहीं कर पाता है...

सही बात है...

खामोशी का अपना ही मजा है,
पड़ों की जड़ें फड़फड़ाया नहीं करतीं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उजाला

जिन्दगी में दिन अनेकों आते हैं
मगर
वो दिन सबसे ज्यादा खास होता है,
जब शिष्य अपने गुरु को पाता है,
जब गुरु के प्रति
शिष्य समर्पित हो जाता है।
आपका नहीं पता,
मुझे मेरा वो दिन आज भी याद है,
वो ही दिन मेरी जिन्दगी का
सबसे खास दिन है...

सही बात है...

इस धोखे की दुनिया में
सहारा देने वाला कोई नहीं,
मिल जाये इससे बड़ा क्या उपहार है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

गुरु शिष्य का रिश्ता
जबरदस्ती का नहीं,
जबरदस्त होना चाहिये
क्योंकि
जबरदस्ती बनाये गये रिश्ते,
जल्दी टूट जाते हैं
और
जबरदस्त भावों से बनाये गये रिश्ते
टूटते नहीं, अटूट रहते हैं...

सही बात है...

रिश्ते बनाना बड़ी बात नहीं,
रिश्तों का हमेशा बने रहना बड़ी बात है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

गुरु
एक बहुत प्रतिभा सम्पन्न मूर्ति हैं
गुरु
अपने विद्या और ज्ञान का भंडार हैं,
ये बात सभी जाते हैं
मगर
जो गुरु की सेवा करता है,
जिस पर गुरु प्रसन्न होते हैं,
उसी शिष्य को
गुरु
विद्या और ज्ञान का भंडार बनाते हैं...

सही बात है...
गुरु ज्ञान देने पर आ जायें
तो शिष्य उसे समेट नहीं पायेगा ...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

गुरु शिष्य के लिये
हर पल, हर जगह
ढाल की तरह मौजूद रहते हैं,
गुरु शिष्य की
हर मुश्किल शांत करते हैं,
वहीं शिष्य
गुरु की हर मुश्किल में
उनके साथ छाया बनकर रहता है...

सही बात है...

गुरु के दिन अच्छे हों
तो शिष्य कहता है–मैं उनका शिष्य हूँ,
गुरु के दिन अच्छे न हों
तो शिष्य कहता है–वो मेरे गुरु हैं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

इस जीवन के अटपटे सफर में
बहुत लोग मिलते हैं,
कुछ साथ देते हैं,
कुछ साथ लेते हैं
कुछ ऐसे भी मिलते हैं
जो काम होने पर भूल भी जाते हैं,
इतना सब होने पर भी
इस जीवन में कभी रूकना नहीं
चाहे जो हो जाये
अपने लक्ष्य की ओर ही बढ़ना...

सही बात है...
लोग कैसे भी मिलें
लोगों के कहने पर रूकना नहीं
जीतकर ही रूकना...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

गुरु शिष्य को उपहार में
अपना शिष्यत्व देते हैं,
अपना नाम देते हैं,
अपनी पहचान देते हैं,
अपना ज्ञान देते हैं,
वहीं शिष्य गुरु को उपहार में
अपना अपनत्व देता है,
अपना अस्तित्व देता है,
ये होते सबको दिखता है,
मगर, दोनों के बीच में
समर्पण का एक अटूट बंधन भी होता है,
जो दिखता नहीं है मगर होता है...

सही बात है...

रिश्ते कई देखे हमने दुनिया में
गुरु –शिष्य जैसा रिश्ता कहीं नहीं देखा,
इस रिश्ते में स्वार्थ नहीं,
साथ निभाने का हमने समर्पण देखा...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

चाहे शिष्य दूर हो या पास
गुरु का आशीष,
गुरु की डाँट,
गुरु के शब्द,
गुरु का सहारा,
गुरु का दुलार,
गुरु की सीख,
सदा शिष्य के साथ रहती है।
गुरु से लाख दूरियाँ होने पर भी,
गुरु की नजदीकियाँ
शिष्य कभी भूल नहीं पाता है...

सही बात है...

अच्छे लोगों के साथ बिताये पल,
अच्छी तरह से याद रहते हैं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

मिला मैं कई लोगों से
हर बार मुलाकात अधूरी रही,
मिला जब मैं गुरू से
जिन्दगी की हर सौगात पूरी हुई,
गुरू चरणों में आकर जाना
मेरा जीवन था अधूरा,
ज्ञान-पहचान सब कुछ देकर
गुरु ने कर दिया जीवन पूरा...

सही बात है...

गुरु शरण पाकर समझ में आया
गुरु शरण को मैंने पहले नहीं पाया,
गलती की मैंने जो देर से पास आया
फिर भी गम नहीं,
क्योंकि समर्पण साथ लाया...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

साथ रहने पर
तुम गुरु की कीमत नहीं समझ पाओगे,
गुरू से दूर रहने पर ही
तुम गुरु की कीमत जान पाओगे,
ये सिर्फ बातें नहीं
मेरा अनुभव है,
थोड़ा वक्त दो
तुम भी इसे समझ जाओगे...

सही बात है...

कुछ चीजें देर से समझ में आती हैं
मगर एक बार सही समझ में आ जाये
तो जिन्दगी सुलझ जाती है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

गुरु के पास रहो
तो महीने भी मिनटों से निकलते हैं,
गुरु से दूर रहो
तो मिनट भी महीनों से निकलते हैं,
गुरु के बिना दिन-रात गुजारने में
बेहद मुश्किल पड़ जायेगी
ये मेरा अनुभव है; जब आप पर बीतेगी,
तब ये बात आपको जरूर समझ आयेगी...

सही बात है...

जीवन देने वाले माँ-पिता से
दूर रहना कठिन नहीं है,
जीवन बनाने वाले गुरु से
दूर रहना बहुत कठिन है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

शब्दों को सही ढ़ंग से कहा जाये
तो नजदीकियाँ बढ़ जाती हैं,
अगर ढ़ंग गलत हो
तो दूरियाँ बढ़ जाती हैं
शब्द अपनों को पराया
और
परायों को अपना भी कर देते हैं,
इसलिये
शब्दों को बोलना सीखें,
ये ना हो पाये तो चुप रहना सीखें...

सही बात है...

कहने के पहले सोचें,
वरना जिन्दगी भर सोचना पड़ सकता है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सामने से मीठे बनना
और
पीठ पीछे निंदा करना,
ऐसी फितरत के लोग
अकसर दिल से उतर जाते हैं ;
ऐसे लोगों को पसंद करने वाले भी
उन्हें नापसंद करने लगते हैं,
क्योंकि
ये दुनिया है
यहाँ सबको सब पता चलता है...

सही बात है...

जिन्हें दो चेहरे पसंद हैं,
उन्हें कोई पसंद नहीं करता...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

सरल कामों से
न तो प्रशंसा मिलती है,
न ही अनुभव।
वहीं
कठिन कामों में मेहनत लगती है,
मगर
प्रशंसा, अनुभव और प्रतिभा बढ़ती है
इसलिये
सरल काम दूसरों के लिये छोड़ें,
आप कठिन काम ढूँढ़ें, उन्हें ही करें...

सही बात है...

काम वही करें,
जो किसी के वश का न हो,
कठिन रास्ते
बड़ी जीत की ओर जाते हैं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उजाला

गुरु के मिलते ही
जिन्दगी जन्नत हो जाती है,
चिल्लर की कीमत भी
खजाने सी हो जाती है,
गम, खुशियों में बदल जाते हैं
और
गम देने वाले, कोसों दूर चले जाते हैं।
सच में, हमारी जिन्दगी में अंधेरों को
उजाले में बदलने की ताकत,
एक ही फरिस्ते में है,
उसका नाम गुरु है...

सही बात है...

गुरु न मिलने तक उजाला भी
अंधेरा लगता है,
गुरु के मिलने पर अंधेरों में भी
उजाला होता है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

गुरु शिष्य को
अपना शिष्यत्व देते हैं,
उन्नति का वरदान देते हैं,
हर मुश्किल में उसके साथ रहते हैं
मगर
गुरु जब भी
कुछ काम या आज्ञा देते हैं,
तो शिष्य की इच्छा भी देख लेते हैं
क्योंकि
वो जानते हैं
किसी को दु:ख देकर,
स्वयं को कभी खुशी नहीं मिलती ...

सही बात है...

गुरु हमेशा शिष्य को दिल में रखते हैं,
उसका दिल कभी टूटने नहीं देते हैं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

गुरु के पास कई शिष्य होते हैं
मगर
शिष्य के पास एक ही गुरु होते हैं,
इसलिये
गुरु को शिष्यों का विशेष ध्यान रखना चाहिये
और रही बात समर्पण की तो
सच्चे शिष्य का समर्पण गुरु के प्रति
हमेशा रहना चाहिये
क्योंकि
जिसका जितना गहरा समर्पण है,
वो उतना प्रिय शिष्य है...

सही बात है...

गुरु शिष्य दोनों को
एक-दूसरे की कीमत होनी चाहिये
एक-दूसरे के प्रति
नाराजगी कभी नहीं होनी चाहिये...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

दुःख के दिन आना,
दुःखी होना
और
दुःखी दिखना
तीनों में अंतर है,
दुःख के दिन तो आते ही रहते हैं
उनमें न तो दुःखी होना,
न ही दुःखी दिखना
क्योंकि
दुःखी दिखने से या दुःखी होने से
दुःख नहीं जाते हैं,
ऐसा करने से आपके अपने भी
दुःखी हो जाते हैं...

सही बात है...

चाहे जो हो जाये
चेहरे से मुस्कुराहट कभी न जाये...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

संबंध

स्वार्थ पूर्ति के लिये नहीं,
साथ निभाने के लिये बनाना चाहिये,
स्वार्थ के संबंध टूट जाते हैं,
स्वार्थ न हो तो संबंध अटूट रह जाते हैं।
मैं तो यही करता हूँ
स्वार्थी मिलें तो छोड़ देता हूँ
साथी मिलें तो जोड़ लेता हूँ...

सही बात है...

फल स्वार्थी हैं, पकने पर
साथ छोड़ देते हैं,
जड़ें साथी हैं
हर वक्त साथ निभाती हैं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

संबंध हमेशा
ऐसे व्यक्ति से बनाये,
जो सही हो
और
जिसकी सोच और इरादे भी सही हों
अगर ऐसा किया तो
कमियाँ, कमियाँ लगेंगी
और
खूबियाँ, खूबियाँ लगेंगी
अगर ऐसा नहीं किया तो
कमियाँ भी खूबियाँ लगेंगी...

सही बात है...

हर सफेद चीज शक्कर नहीं होती,
कई बार लोग
शक्कर समझकर नमक खा लेते हैं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

संबंध बनाना
और
संबंध निभाना,
दोनों बातों को ब-खूबी सीखें,
संबंध बनाकर भूल जाना
अथवा
काम निकालने के लिये संबंध बनाना
स्वार्थी लोगों की पहचान है
साथी बनें, स्वार्थी नहीं...

सही बात है...

जीवन के अंत तक
संबंध निभाना आता हो
तो ही संबंध बनाये,
दूसरों को ठगकर
उसका जीवन बर्बाद न करें...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

संबंधों की उम्र
बड़े-बड़े वादों से नहीं,
बड़ी-बड़ी बातों से नहीं,
एक दूसरे को समझने से बढ़ती है
अगर आप
एक दूसरे को नहीं समझ पायेंगे
तो संबंध भी
ज्यादा दिन तक नहीं टिक पायेंगे...

सही बात है...

संबंध
बड़ी-बड़ी बातों से नहीं,
छोटी-छोटी बातों को
समझने से गहरे होते हैं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

कई बार
मन के विरुद्ध काम होने से
लोग आपका साथ छोड़ देते हैं
संबंधों को तोड़ देते हैं
ऐसा होने पर
घबराईये नहीं, खुश हो जाईये
क्योंकि
मतलबी लोगों का
जिन्दगी से दूर जाने पर,
दुःख नहीं खुशी होना चाहिये...

सही बात है...

दूध के दाँत गिरने पर
रोया नहीं जाता,
वो तो गिरने के लिये ही आते हैं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

दुनिया में
सिर्फ गुरु शिष्य का रिश्ता ही
एक ऐसा रिश्ता है
जो विश्वास मिलने पर बनता है
बाकी रिश्तों का क्या है
वो तो कुण्डली मिलने पर भी बन जाते हैं
ऐसा इसलिये होता है
क्योंकि
ये रिश्ता स्वार्थ के लिये नहीं,
साथ निभानें के लिये बनता है ...

सही बात है...
वहाँ विश्वास नहीं होगा
जहाँ स्वार्थ होगा,
वहाँ स्वार्थ नहीं होगा,
जहाँ विश्वास होगा...

☑ श्रुतशंवेगी आदित्यशागर

सही बातें उजाला

गुरु शिष्य का रिश्ता
विश्वास का रिश्ता है,
जब तक विश्वास न हो
तब तक गुरु शिष्य का रिश्ता
मत बना बैठना,
जो विश्वास के बिना रिश्ते बनाते हैं,
वो जीवन भर पछताते हैं
हम तो विश्वास देखकर ही
शिष्य बनाते हैं,
फिर भी कोई धोखा दे जाये
तो हम सह जाते हैं...

सही बात है...

गुरु का शिष्य के प्रति जो विश्वास है
उसे शिष्य क्या जानेगा,
जब तक शिष्य गुरु को अपना नहीं मानेगा
तब तक गुरु को कैसे जानेगा...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

कुछ लोगों की फितरत होती है
वो आपके सामने आपके बनते हैं,
मगर पीठ पीछे
आपकी निंदा करते हैं,
आपके गुण न देखकर,
आपमें अविद्यमान दोष ही देखते हैं,
ऐसे लोग गोंच की तरह हैं,
जो गाय के थन में लगकर भी
खून ही पीते हैं, दूध नहीं...

सही बात है...

गधे को मिठाई नहीं,
मल ही पसंद आता है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

बुरे दिनों में,
अच्छे लोगों से सलाह लें
और
अच्छे दिनों में
बुरे लोगों से दूर रहें,
बुरे दिन ज्यादा दिनों तक नहीं रहते
मगर
बुरे दिन निकलने में ज्यादा देर लगती है...

सही बात है...

समझदार लोगों के साथ रहने से
नासमझी भरे काम टल जाते हैं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

जो हो चुका है
उसे नहीं बदला जा सकता है,
मगर
उससे सीख लेकर
आने वाले कल को निखारा जा सकता है,
ये बात भूलकर
हम कई बार
बीते कल को याद करके
आने वाले कल को बर्बाद कर बैठते हैं...

सही बात है...

बीते कल से शिक्षा ली जाती है,
ताकि
आने वाला कल परीक्षा न ले सके...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

बहुत से रिश्ते
समय आने पर ही बनते हैं,
उनके लिये पुरुषार्थ के साथ
इन्तज़ार भी करना पड़ता है,
गुरु शिष्य का रिश्ता
उनमें से एक है
बनता किसी किसी का ही है,
वो भी किसी किसी से ही...

सही बात है...

मेहनत से ही सब कुछ नहीं मिलता,
कुछ चीजें किस्मत से भी मिलती हैं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

खुशी के लिये
बहुत कुछ इकट्ठा करना पड़ता है,
ये आपकी गलतफहमी है,
खुशी के लिये
बहुत कुछ छोड़ना भी पड़ता है
ये मेरा अनुभव हैं,
सच्ची खुशी वही है जिसमें सबकी खुशी हो,
केवल आपकी नहीं...

सही बात है...

चाहे छोड़ना हो या जोड़ना,
वही काम करें
जिसमें आपके अपनों की खुशी हो...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

कुछ लोग
दिखाकर जीते हैं,
कुछ लोग
जीकर दिखाते हैं
जीवन दोनों ही जीते हैं
मगर
जीकर दिखाने वाले ही
जीत के हकदार होते हैं...

सही बात है...

दिखावे से जीत नहीं मिलती,
कुछ कर दिखाने से जीत मिलती है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

धन, मित्र, घर
वैभव, परिवार, सब हों
पर
आत्मसम्मान न हो
तो जीवन जीना व्यर्थ ही है,
इसलिये
सबसे पहले
अपने आत्म सम्मान की रक्षा करें...

सही बात है...

मरण श्रेष्ठ है
मगर
आत्म सम्मान खोना श्रेष्ठ नहीं है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

अगर आपको
अपने जीवन का लक्ष्य प्राप्त करना हो
तो स्व आश्रित हो जायें,
दूसरों का सहारा या सहायता लेना,
बुरा नहीं है,
मगर
स्वयं के बलबूते पर सफल होना श्रेष्ठ है...

सही बात है...

दूसरों के सहारे न रहें,
आपकी सफलता
आपके आत्मविश्वास पर टिकी है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सभी का अपना अपना चिंतन है,
सभी का अपना अपना स्वभाव है
इसलिये
जरुरी नहीं है
आप जिन पर विश्वास करते हो,
वो भी आप पर विश्वास करते हों...

सही बात है...

विश्वास करना
और विश्वास होना
दोनों में बहुत अंतर है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

गुरु का शिष्य पर,
शिष्य का गुरु पर
अटूट विश्वास रहता है,
कहने वाले कुछ भी कहें,
सोचने वाले कुछ भी सोचें,
देखने वाले कुछ भी देखें
मगर
ये रिश्ता अटूट ही रहता है...

सही बात है...

गुरु शिष्य का रिश्ता
बनता एक जन्म में ही है
मगर
चलता कई जन्मों तक है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उजाला

सच्चे शिष्य को
गुरु की कीमत
उनके रहते-रहते कर लेना चाहिये
सब कुछ हो,
पर गुरु न हो
तब सब कुछ होने पर भी
कुछ भी अच्छा नहीं लगता,
मेरा तो यही अनुभव है
गुरु पास न हों
तो सावन भी पतझड़ सा ही लगता है...

सही बात है...

दाँत और बालों की कीमत
उनके रहने पर नहीं,
उनके जाने के बाद होती है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

कहने के पहले
1 नहीं, 100 बार सोचें
मगर
कहने के बाद करने में
1 बार भी न सोचें,
आपकी कीमत तभी होगी
जब आप जुबान के पक्के होंगे...

सही बात है...

कभी किसी से वादा करना नहीं,
कर दिया हो तो
पूरा करने में पीछे हटना नहीं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

आप कई बार
उनकी चिन्ता में डूबे रहते हैं,
जिन्हें आपसे कोई मतलब नहीं है
मेरी तो यही सलाह है;
जो आपकी फिक्र करे
उसकी फिक्र करें,
जो आपकी फिक्र न करे
उसका जिक्र भी न करें...

सही बात है...

जो काम निकालने के लिये याद करे,
उसे क्या याद करना...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

हमेशा सफल होने के लिये
समय की कीमत,
समय पर ही कर लेना चाहिये
क्योंकि
वही काम सफल होता है,
जो समय पर होता है...

सही बात है...

समय निकलने के बाद
समय की कीमत करना,
स्वयं की कीमत गिराना है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

ये दुनिया है
यहाँ उन्हीं को अपना मानना
जो सुख के साथ-साथ
दु:ख में भी आपका साथ दें
चाहे दूरियाँ हों या नजदीकियाँ
हमेशा आपकी याद करें,
अकसर यहाँ काम निकलने पर
सब भूल जाते हैं आप कौन हैं
और
आप ढूँढ़ते रहते हैं आपका कौन है...

सही बात है...

लोगों को अपना मानना अलग बात है,
लोगों का आपका होना अलग बात है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

गुरु हमेशा
सभी के हित का ही सोचते हैं,
खासकर अपने शिष्यों का
मगर
कुछ लोगों को,
कुछ शिष्यों को,
गुरु की बातें कड़वी सी लगती हैं
मेरा मानना है;
गुरु की बातें भले ही कड़वी लगें
मगर होती हमेशा मीठी ही हैं...

सही बात है...

जिसने गुरु की बात नहीं मानी
उसके जीवन में होती है परेशानी।
जीवन में उसके बनती हैं अनेकों कहानी
पग-पग पर होती है हानि ही हानि...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उजाला

कुछ लोग
अपने बीते कल को याद करते हैं,
अपने आज को बर्बाद कर लेते हैं
ऐसे लोग
सफलता का शिखर नहीं छू पाते हैं
क्योंकि
वे बीते कल में उलझे रहते हैं
और
आज उनके हाथों से निकल जाता है
मेरी मानें;
आज को जियें, आज में जियें
दुनिया को आजमाकर जियें...

सही बात है...

आपका बीता कल अच्छा हो,
ये जरूरी नहीं
मगर
आने वाला कल जरूर अच्छा हो सकता है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

मेरी सलाह मानें
परिस्थितियाँ कैसी भी हों,
हमेशा खुश रहें
ध्यान रखें
दु:खी होना
किसी भी समस्या का समाधान नहीं है
मैं तो हमेशा यही करता हूँ,
खुश रहता हूँ
दु:खों का किसी को भी
पता नहीं चलने देता हूँ...

सही बात है...

दु:खी होने से काम बने
तो दु:खी होना चाहिये
मगर ऐसा कभी होता नहीं है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

अच्छे हो, या बुरे
सभी दिन देखे हमने,
अच्छे दिनों में सब साथ थे
बुरे दिनों में सबको पहचाना हमने,
सभी दिनों में
कुछ न कुछ सीखा हमने,
बस इतना ही कहना है सबसे
जीवन की किताब बुरी नहीं है
इसमें कुछ पन्ने बुरे लिखे हैं हमने,
बस उन्हें ही अच्छा करना है
दुनिया को अच्छा करने नहीं निकले हम...

सही बात है...

समय सिखाता है, समय बताता है
समय हसाता है, समय रूलाता है
घबरा मत सब खेल समय का है
मगर इसे तू ही बनाता है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जरूरत से ज्यादा
न तो कहें,
न ही सुनें,
न ही सोचें,
अधिक कहने, सुनने या सोचने से
बनते काम बिगड़ते हैं
अपने भी पराये हो जाते हैं
साथ ही साथ
दुःखी भी होना पड़ता है
इसलिये
जितना जरूरी हो, उतना ही कहें
उतना ही सुनें, उतना ही सोचें...

सही बात है...

जैसे भोजन में
नमक की मात्रा निश्चित रखी जाती है,
वैसे ही जीवन में
कहने, सुनने, सोचने की मात्रा भी
निश्चित रखें...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

अपने भविष्य के निर्माता
आप स्वयं हैं,
इसलिये
दूसरों के लिये कम,
अपने लिये ज्यादा समय निकालें
कई बार
दूसरों का भविष्य बनाने के चक्कर में
आप अपना भविष्य बिगाड़ लेते हैं...

सही बात है...

परोपकार करना बुरा नहीं है
मगर
परोपकार करते समय
अपना भी ध्यान रखें...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उजाला

गुरु को शिष्य से
कुछ और चाह नहीं,
उन्हें तो
विश्वास, समर्पण और अपनेपन के
एहसास की चाह रहती है,
जितना शिष्य गुरू का
अपना होता है,
वो गुरु के
उतना ही करीब होता है...

सही बात है...

मैं हमेशा आपका ही हूँ
ये बात शिष्य को हमेशा कहनी चाहिये,
मैं तुम्हारे लिये हमेशा हूँ
ये एहसास,
गुरु को हमेशा दिलाना चाहिये...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

किसी के भी बारे में
गलत लिखने
या
गलत कहने से पहले
एक बार जरूर विचार करें,
कहीं आप स्वयं तो गलत नहीं हैं
मेरा अनुभव है;
हर बार व्यक्ति गलत नहीं होता,
कई बार नजरिया भी गलत होता है...

सही बात है...

कई बार अपनी गलती
ढाँकने के लिये
दूसरों को
गलत साबित किया जाता है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उजाला

गलत करने वाले के साथ
कभी सही नहीं होता
और
सही करने वाले के साथ
कभी गलत नहीं होता,
कभी भी समय का चक्र
असत्य का साथ नहीं देता,
फैसला होने में देर लग सकती है
मगर फैसला होकर ही रहता है...

सही बात है...

जो सही का साथ देता है
कुदरत और कर्म भी
उसी का साथ देता है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

कर्म और समय का
कभी इन्तजार मत करना,
ऊँचाईयों को छूने के लिये
अपनी मेहनत पर भरोसा रखना,
जब कर्म और समय अच्छा न हो,
तब मेहनत ही काम आती है
इसलिये
समय कैसा भी हो,
मेहनत में कभी कमी न हो...

सही बात है...

जो अपनी मेहनत पर विश्वास करते हैं,
दुनिया अपने से ज्यादा
उन पर विश्वास करती है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

होली के दिन
दूसरों का रंग लगाने की जगह
अपने जीवन में
गुरु भक्ति का रंग चढ़ाना चाहिये,
होली पर चढ़ा रंग,
एक–दो दिन में उतर जाता है,
मगर
गुरु भक्ति का रंग कभी नहीं उतरता है...

सही बात है...

जिसके जीवन में
गुरु भक्ति का रंग चढ़ जाता है,
उसका जीवन
उन्नति के शिखर को छू जाता है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जाने–अनजाने में
आपके द्वारा की हुई
छोटी–बड़ी गलतियों से
किसी का जीवन भी गलत हो सकता है,
इसलिये
अपनी गलतियों को गलती मानकर
उन्हें सुधारने का
उनसे ऊपर उठने का प्रयास
हमेशा करते रहना चाहिये...

सही बात है...

गलती हो जाना कोई बड़ी बात नहीं,
यहाँ सब इंसान हैं भगवान कोई नहीं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

गुरु को हाथ पकड़ाना
और
गुरु का आपका हाथ पकड़ना
दोनों में अंतर है,
क्योंकि
आप गुरु का हाथ पकड़ते हैं
तो छोड़ सकते हैं
मगर
जब गुरु आपका हाथ पकड़ते हैं
तब आप उसे छुड़ा नहीं सकते हैं
गुरु का दिल,
गुरु की सोच बहुत बड़ी होती है,
वहाँ तक पहुँचना
हर किसी के वश की नहीं हैं...

सही बात है...

गुरु जब किसी को अपनाते हैं
तो मरते दम तक साथ निभाते हैं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

किसी भी बात का
अच्छा या बुरा लगना,
बात पर नहीं
व्यक्ति से हमारे संबंधों पर
निर्भर करता है,
बातें उनकी बुरी लगती हैं
जो पराये होते हैं,
जो अपने होते हैं
उनकी बातें बुरी नहीं प्यारी लगती हैं...

सही बात है...

अगर आपको किसी की बातें
अच्छी नहीं लग रही हैं
समझ लेना
अभी उसके साथ आपके संबंध
अच्छे नहीं हैं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

दुनिया का सबसे सुन्दर संबंध
गुरु-शिष्य का होता है,
तभी तो
गुरु का शिष्य पर
शिष्य का गुरू पर
हक होता है,
और इसी कारण से
गुरु-शिष्य अपनी बातें एक-दूसरे से
बिना डरे, बिना सोचे बोल देते हैं...

सही बात है...

जिन पर हक होता है
उन पर शक नहीं होता है
जिन पर शक होता है
उन पर हक नहीं होता है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

गुरु हमारा सहारा हैं,
गुरु से ही हमारा
मान है, सम्मान है, स्वाभिमान है,
इसलिये
सब कुछ सहन कर लेना
मगर
गुरुओं का अपमान
कभी सहन मत करना...

सही बात है...

जो गुरुओं का अपमान करते हैं,
गुरुओं का अपमान होता देखते हैं
उनको कभी सम्मान नहीं मिलता...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

समय
अच्छा भी आता है,
बुरा भी आता है,
मगर
जीवन को कभी
अच्छा या बुरा मत मानना,
क्योंकि
समय बदलता है,
जीवन वही रहता है
जो बुरे समय को
बुरा जीवन मान बैठते हैं
उनके साथ कभी अच्छा नहीं होता...

सही बात है...

मौसम बदलता है, समय बदलता है
लोग बलदते हैं, दुनिया बदलती है
ये जीवन है यहाँ सब बदलता है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

लोग कैसे भी हों,
दिन कैसे भी हों,
काम कैसा भी हो,
कभी डरना नहीं चाहिये,
क्योंकि
डरना किसी भी चीज का समाधान नहीं,
आत्मविश्वास के साथ डटे रहना,
सुख की ताकत को समेटना
और
दो गुने जोश के साथ खड़े रहना
यही सफलता का सोपान है...

सही बात है...

पीछे हटने से काम नहीं बनता
बिना डरे खड़े रहने से काम बनता है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

आप किसके कितने नजदीक हैं
और
कौन आपके कितने नजदीक है,
इस बात का पता
नजदीकियों से नहीं
दूरियों से मालूम चलता है,
जब दूरियाँ होने पर भी
नजदीकियों का एहसास बना रहे
तभी समझना नजदीकियाँ थीं...

सही बात है...

किसी के साथ में होना
और पास में होना, दोनों में अंतर है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

दूसरों को जिम्मेदारी देना
और
स्वयं जिम्मेदार होना
अलग-अलग बातें हैं,
जिम्मेदार होना
बहुत कम लोगों को आता है
मगर
जो जिम्मदार होते हैं
दुनिया भी उनके ही गुण गाती है,
जिम्मेदारी देना अच्छी बात है,
जिम्मेदार होना और अच्छी बात है...

सही बात है...

जिम्मेदार होने से
ऊँचाईयाँ मिलती है,
गैर जिम्मेदार होने से
मिली ऊँचाईयाँ चली जाती हैं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उजाला

जब भी कोई आपकी गलतियाँ गिनाये
और आप गलत भी हों
तब बे-झिझक
उन्हें स्वीकारें और सुधारें
क्योंकि
गलतियाँ सुधारने वाले ही
दुनिया को सही रास्ते बता पाते हैं,
प्रशंसा करने वाले पराये बहुत मिलते हैं,
गलती बताने वाले
अपने बहुत कम मिलते हैं...

सही बात है...

दूसरों की बुराई बताना
कोई बड़ी बात नहीं,
अपनी बुराईयों को जीतना
सबसे बड़ी बात है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

स्वार्थ और लालच से
न ही किसी से जुड़ना
न ही किसी को जोड़ना,
जबरदस्ती जुड़ने और जोड़ने से
टूटने में देर नहीं लगती,
सच मायने में
जुड़ना और जोड़ना
ये तो अंदर की प्रक्रिया है...

सही बात है...

जुड़ना और जोड़ना सरल है,
हमेशा जुड़े रहना कठिन है...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही निर्णय
जीवन को सही और सरल बनाते हैं,
इसलिये
अपने जीवन में हर किसी को
सही निर्णय लेने की कला
बखूबी आना चाहिये,
मेरा अनुभव है
जीवन के कुछ निर्णय
स्वयं की बुद्धि से लेना चाहिये,
और कुछ निर्णय
गुरु की बुद्धि से लेना चाहिये...

सही बात है...

एक गलत निर्णय
जीवन को गलत दिशा दे सकता है
दिशा और दशा संभालने के लिये
गलत निर्णय से बचें...

☑ श्रुतशंवेगी आदित्यशागर

सही बातें उजाला

जैसे साँसों का आना-जाना
जीवन में लगा रहता है,
वैसे ही समस्याओं का आना-जाना भी
जीवन में लगा रहता है,
मगर
समस्याओं का आना कोई समस्या नहीं
समस्याओं का समाधान नहीं ढूँढ़ पाना
सबसे बड़ी समस्या है
समस्याओं से आगे बढ़ें
समाधान से जुड़ें...

सही बात है...

हर समस्या का समाधान है,
बस
नजर समस्या पर नहीं
समाधान पर होना चाहिये...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें उजाला

हमने कई बार
अपनों की पहचान की
कई बार अपनों में छिपे परायों को
पहचाना भी,
इन सबके बाद
एक पैमाना भी पाया हमने
चाहे जो हो जाये
अपने कभी साथ नहीं छोड़ते
जो अपने लगते हैं, होते पराये हैं
वो छोटी सी बात पर भी साथ छोड़ देते हैं...

सही बात है...

जब आप किसी अपने के
मन का काम न करें
फिर भी वो आपका ही बना रहे,
समझना वो आपका अपना है,
उसे कभी खोना नहीं...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

किसी का भी सहारा बनने,
किसी को भी सहारा बनाने के पहले
जाँच पड़ताल करना आवश्यक है,
गलत को सहारा देने से
या
गलत का सहारा लेने से
सही जीवन भी गलत हो जाता है...

सही बात है...

सहारा सही न हो तो
बे-सहारा होने में देर नहीं लगती...

☑ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर